अनदेखी | गंदगी के बीच गुजरने को मजबूर संत रविदास वार्ड के रहवासी

डेढ़ महीने से अधूरी पड़ी सड़क

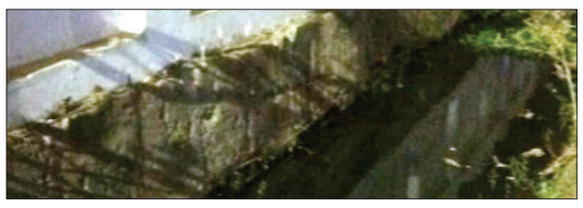

नवभारत, जबलपुर। शहर के संत रविदास वार्ड क्रमांक 75 के ब्लॉक 22 में अधूरे विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी नाराज़गी देखने को मिल रही है। क्षेत्र में सड़क निर्माण का कार्य पिछले डेढ़ महीने से अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। नवभारत द्वारा रविवार को की गई पड़ताल में क्षेत्र में कई गंभीर समस्याएं सामने आई है। इलाके में आधी बनी सड़के महीनों से अधूरी पड़ी हुई है। वही सड़क निर्माण के लिए डाली गई गिट्टी और मलबा अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुका है। क्षेत्र की कई नालियां गंदगी से भरी मिलीं। नियमित सफाई नहीं होने से बदबू और मच्छरों की समस्या बढ़ रही है।

रहवासियों को दिया गया झूठा आश्वासन

रहवासियों के अनुसार करीब डेढ़ महीने पहले सड़क निर्माण कार्य शुरू हुआ था। संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों द्वारा 7 दिनों के भीतर कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक काम अधूरा है। अभी आलम यह है कि वार्ड में नालियो का बुरा हाल है। नालियों में गंदगी महीनों से भरी हुई है और साफ-सफाई नहीं की गई है। यहां के लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी न तो नगर निगम गौर कर रही है नहीं पार्षद ध्यान दे रहे हैं। यही कारण है कि गलियों, नालियों में मलवा भरा है जलभराव हो रहा है। जिसकी वजह से मच्छर भी पनप रहे हैं। वार्ड वासियो ने साफ-सफाई कराने की मांग की है।

इनका कहना है

सड़क का काम आधा करके छोड़ दिया गया है। रोज धूल और गड्ढों की वजह से निकलने में परेशानी होती है। अधिकारियों को कई बार शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

वीरेन सोनी
वार्डवासी

नालियों की सफाई नहीं होने से गंदगी और मच्छर बढ़ रहे हैं। रात में कई जगह स्ट्रीट लाइटे भी बंद रहती हैं, जिससे लोगों के मन में भय का माहौल बना रहता है। प्रशासन को जल्द ध्यान देना चाहिए।

महेंद्र कुमार, वार्डवासी

क्षेत्रवासियों की समस्याओं का जल्द समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

योगेंद्र उइके, पार्षद, संत रविदास वार्ड

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही प्रेमिका की हत्या की कोशिश

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आईटीआई करमेता इलाके में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 24 वर्षीय महिला गौरी दुबे पर उसके पार्टनर नीतेश पाटकर ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता पिछले 2 साल से अपने पति से अलग होने के बाद आरोपी के साथ रह रही थी।

रविवार सुबह लगभग 10 बजे जब गौरी किचन में खाना बना रही थी, तभी नीतेश ने पीछे से आकर हत्या की नीयत से उसके गले पर चाकू से हमला कर दिया। चीखने पर आरोपी ने महिला के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और रसोई में रखे बेलन से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। किसी तरह जान बचाकर भागी पीड़िता ने माढ़ोताल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी नीतेश पाटकर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(ए) और 109(1) के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

दो साल से साथ रह रहे थे दोनों

पीड़िता गौरी दुबे एक प्राइवेट नौकरी करती है। 2 वर्ष पहले उसके पति ने उसे छोड़ दिया था। इसके बाद गौरी की मुलाकात नीतेश पाटकर से हुई। दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए और वे पिछले 2 साल से आईटीआई करमेता क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रहने लगे। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच साथ रहने और न रहने की बात को लेकर लगातार विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते नीतेश के मन में रंजिश पनप रही थी।

खाना बनाते समय हमला

रविवार सुबह गौरी दुबे हमेशा की तरह अपने घर के किचन में खाना बनाने के काम में जुटी हुई थी। इसी दौरान सुबह लगभग 10 बजे नीतेश पाटकर दबे पांव पीछे से किचन में दाखिल हुआ। गौरी जब तक कुछ समझ पाती या संभल पाती, नीतेश ने अपने पास रखे धारदार चाकू से सीधे उसके गले पर वार कर दिया। इस हमले में गौरी के गले पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

नीतेश के चंगुल से छूटकर गौरी किसी तरह घर से बाहर गलियों की तरफ भागी और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। पकड़े जाने के डर से आरोपी नीतेश पाटकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता इसी घायल हालत में सीधे माढ़ोताल थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

मुंह में कपड़ा ठूंसकर सिर पर मारे बेलन

गले पर हमला होते ही गौरी ने अपनी जान बचाने के लिए शोर मचाना शुरू किया। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा न हो जाएं, इस डर से नीतेश ने तुरंत एक कपड़ा गौरी के मुंह में ठूंस दिया ताकि उसकी आवाज बाहर न जा सके। इसके बाद आरोपी ने रसोई में ही रखे रोटी बनाने वाले भारी बेलन को उठाया और गौरी के सिर पर एक के बाद एक कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी।

फील्ड अधिकारियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक

जबलपुर, नवभारत। रेलवे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन, सीसीटीवी जैसे नवीनतम तकनीकी उपकरणों का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहा है। रेलगाड़ियों, यात्रियों, स्टेशन परिसर और विशाल रेल नेटवर्क की सुरक्षा बढ़ाने के लिए यह कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। इसके अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के बीट स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। रेलवे मंत्रालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में रेल मंत्रालय ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में देश भर के फील्ड अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया। इस बैठक की अध्यक्षता रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की। रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू के अलावा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष भी इस बैठक में उपस्थित थे। हाल ही में हुई आगजनी की कुछ घटनाओं सहित कई मामलों की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आई है। भारतीय रेलवे ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इनकी सक्रिय रूप से जांच कर रहा है। कई मामलों में, रेलवे की त्वरित और सक्रिय कार्रवाई से बड़ी दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली है। खुफिया प्रणालियों को मजबूत करने और सूचनाओं को तेजी से संसाधित करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के अलावा, रेलवे मंत्रालय यात्रियों को यात्रा के दौरान और स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा करते समय असामाजिक गतिविधियों को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क और सावधान रहने का आग्रह किया है। रेलवे परिसर में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति को देखने पर तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना देने को कहा गया है।

लड़की पक्ष वादे से मुकरा, होने वाला दूल्हा पहुंचा थाने

जबलपुर। अधारताल थाना इलाके से एक बेहद हैरान करने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां शादी की तारीख नजदीक आने पर वधू पक्ष द्वारा अचानक रिश्ते से मुकर जाने के बाद पीड़ित दूल्हा और उसका परिवार न्याय की गुहार लगाने पुलिस थाने पहुंच गया। मध्य प्रदेश के सागर जिले से जबलपुर पहुंचे इस पीड़ित परिवार के सामने अचानक एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। रविवार सुबह करीब 10 बजे पीड़ित मोहम्मद शकील अपने माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों के साथ आधारताल थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपते हुए अपनी आपबीती सुनाई।

पीड़ित मोहम्मद शकील और उनके परिजनों ने बताया कि आज से करीब एक साल पहले शकील की सगाई जबलपुर के आधारताल क्षेत्र की रहने वाली एक युवती के साथ पूरे रीति-रिवाजों के साथ

संपन्न हुई थी। सगाई होने के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच बातचीत चल रही थी और सब कुछ सामान्य था। दोनों पक्षों की सहमति से आगामी 10 जून को विवाह संपन्न होना तय किया गया था। शादी का दिन तय होने के बाद से ही मोहम्मद शकील का परिवार बेहद खुश था और वे लोग शादी की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए थे। लड़के वालों ने शादी को यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी थी और महीनों पहले से ही इसके लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई थीं।

मोहम्मद शकील के अनुसार उन्होंने शादी के आयोजन के लिए बारातघर, ढोल-नगाड़े, हलवाई, लाइट-डेकोरेशन जैसी तमाम आवश्यक चीजों की बुकिंग एडवांस भुगतान करके पहले ही पूरी कर ली थी। इतना ही नहीं, रिश्तेदारों और करीबियों को शादी के निमंत्रण पत्र भी भेज दिए गए थे और घर में पूरी तरह से उत्सव का माहौल था। दूल्हा बनने जा रहे मोहम्मद शकील की खुशियों का उस वक्त ठिकाना नहीं रहा जब शादी के कपड़े और अन्य सामान की खरीदारी भी पूरी कर ली गई। लेकिन जब शादी में महज कुछ ही दिन बचे थे, तभी लड़की पक्ष की तरफ से अचानक एक ऐसा फरमान आया जिसने दूल्हे और उसके परिवार के पैरों तले से जमीन खिसका दी। लड़की वालों ने बिना किसी ठोस और वाजिब कारण के शादी करने से साफ मना कर दिया और अपने पुराने वादे से पूरी तरह पलट गए।

लड़की पक्ष के इस अप्रत्याशित और अड़ियल रवैये से परेशान होकर मोहम्मद शकील के परिजनों ने उनसे संपर्क साधने और बीच-बचाव के जरिए मामले को सुलझाने की काफी कोशिश की, लेकिन वधू पक्ष किसी भी बात को सुनने या मानने को तैयार नहीं

कानूनी कार्रवाई की मांग

अंतिम उम्मीद के रूप में रविवार सुबह पीड़ित मोहम्मद शकील अपने परिजनों के साथ आधारताल थाने पहुंचे और पुलिस को लड़की पक्ष के खिलाफ शिकायती पत्र दिया. पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वादे से पलटने वाले लड़की पक्ष के खिलाफ उचित और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके. वहीं इस पूरे मामले में आधारताल थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया जाएगा और जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

एमएमके, सिद्ध बाबा और कैंट हीरोज़ की जीत

स्वर्गीय आर एस त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता

नवभारत, जबलपुर। सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक खमरिया के तत्वाधान में खेली जा रही स्वर्गीय आर. एस. त्रिपाठी डे-नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए तीन रोमांचक मुकाबलों में एमएमके हम्मद ने दी मून को, सिद्ध बाबा ने आरएमसीसी को और कैंट हीरोज़ ने भारत आर्मी को हराकर शानदार दर्ज की है। इन तीनों कड़े मुकाबलों में विजेता टीमों ने अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन दिखाया। मैदान पर दर्शकों को तीनों मैचों के दौरान खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली।

मैचों के नतीजे और खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

पहला मैच डी मून और एमएमके हम्मद के बीच हुआ। डी मून ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9.5 ओवर में 60 रन बनाए और ऑल आउट हो गई। एमएमके टीम के गेंदबाज हीरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। दूसरी पारी में एमएमके ने मात्र 7.1 ओवर में 63 रन बना दिए। इस प्रकार एमएमके की टीम ने यह मैच 8 विकेट से जीत लिया। शानदार गेंदबाजी के लिए हीरा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच सिद्ध बाबा और आरएमसीसी के बीच खेला गया। इसमें सिद्ध बाबा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया तथा निर्धारित 10 ओवर में 85 रन बनाए। सिद्ध बाबा के बल्लेबाज मनीष ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 बॉल पर 21 रन बनाए। मैच की दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएमसीसी 10 ओवर में 78 रन ही बना सकी। इस प्रकार यह मुकाबला सिद्ध बाबा ने 7 रन से जीत लिया। उम्दा पारी के लिए मनीष को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तीसरे मैच में भारत आर्मी और कैंट हीरोज़ की टीमें आमने-सामने थीं। भारत आर्मी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया तथा 9.3 ओवर में 51 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कैंट हीरोज़ के गेंदबाज अंकित ने धारदार गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में 5 रन देकर 2 विकेट चटकाए। मैच की दूसरी पारी में कैंट हीरोज़ की टीम ने मात्र 4.4 ओवर में ही 55 रन बना दिए। इस प्रकार यह मैच कैंट हीरोज़ की टीम ने 8 विकेट से जीत लिया। बेहतरीन गेंदबाजी के लिए अंकित को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आयुध निर्माणी खमरिया की रश्मि द्विवेदी, मार्बल सिटी अस्पताल के पी. आर. ओ. हरीश राय, अंकिता दास, प्रियंकी मंडल, मौमिता धारा, नंदिता मंडल तथा मोनू चौधरी उपस्थित रहे। मैचों में अंपायर की भूमिका अपूर्व श्रीवास्तव, जसवंत रावत, मुकेश मैडी, निखिल यादव, आनंद शर्मा एवं सुधीर सिंह ने निभाई, जबकि कमेंटेटर ठाकुर गजेंद्र पाल सिंह एवं सुनील खत्री रहे और स्कोरिंग चंदन पटेल, अनुज मिश्रा एवं कुणाल ने की। इस अवसर पर यूनियन के आनंद शर्मा, राकेश रंजन, अखिलेश पटेल, राकेश शर्मा, अनिल गुप्ता, धर्मेंद्र रजक, ह्रदेश यादव, संतोष सिंह, महेंद्र रजक, दिलीप टेकाम, हनुमान मीणा, आशीष माहोर, राजीव शर्मा, अजीत यादव, प्रकाश रावत, कल्याण सिंह, मुकेश शर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कारोबारी से 1 लाख 34 हजार की ऑनलाइन ठगी

जबलपुर। शहर में ऑनलाइन ठगी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां थाना विजयनगर क्षेत्र में रहने वाली एक महिला कारोबारी डिजिटल विज्ञापन के जाल में फंसकर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो गई हैं। दीक्षितपुरा क्षेत्र में अपने पति के साथ टू-व्हीलर सर्विस सेंटर का संचालन करने वाली पुरानी जगदम्बा कॉलोनी निवासी 36 वर्षीय श्रीमती पूजा दुबे ने व्यापार को नया विस्तार देने की योजना बनाई थी। इसी सिलसिले में उन्होंने इंस्टाग्राम पर बेंगलुरु की वॉल्मों पासनियर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी का एक आकर्षक विज्ञापन देखा, जिसमें आकर्षक शर्तों पर फ्रेंचाइजी देने का बड़ा दावा किया गया था। इस भ्रामक विज्ञापन के प्रभाव में आकर पीड़िता ने 28 अप्रैल 2026 को इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा कर दिया। इसके तत्काल बाद कथित कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में शिवांकर जैन, सिद्धार्थ और पुनीत जैन नामक तीन व्यक्तियों ने पीड़िता से मोबाइल फोन पर संपर्क साधा और व्यावसायिक औपचारिकताएं पूरी करने के नाम पर अलग-अलग किश्तों में कुल 1 लाख 34 हजार 400 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। ठगे जाने का अहसास होने पर जब पीड़िता ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, तो विजयनगर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीनों नामजद जालसाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक मुकदमा पंजीकृत कर विस्तृत कानूनी तफ्तीश शुरू कर दी है।

एमएच क्लब की 9 विकेट से आसान जीत

अण्डर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता

जबलपुर 24 मई। संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवाजी मैदान में आयोजित अण्डर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट में एमएच क्लब ने संजीवनी क्लब को 9 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए संजीवनी क्लब ने अपने सभी विकेट खोकर 20. ओवर में 55 रन बनाए। कुबेर ने 12 और रणधीर ने 11 रन बनाए। एमएच क्लब की तरफ से आरुष आर्यवीर, अर्जित और जो जो ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरे एमएच क्लब ने एक विकेट खोकर 10.1 ओवर में 58 रन बनाकर मैच जीत लिया। सत्यम ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। संजीवनी की तरफ से रेहान ने एक विकेट लिया। एमएच क्लब के जोजो को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में निर्णायक की भूमिका गौरव जनसारी और अंकित यादव ने निभाई। सोमवार को सुबह 8 बजे से संजीवनी क्लब का मुकाबला इनफिनिटी क्लब से होगा।

कार्रवाई | भोपाल आयुष विभाग का सख्त एक्शन, संभागीय आयुष अधिकारी ने की पुष्टि

लापरवाही बरतने पर जिला आयुष अधिकारी निलंबित

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर और नरसिंहपुर जिले की कमान संभाल रहीं जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरतना सिंह चौहान को भोपाल आयुष विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई न्यायालय में लंबित एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में विभाग की ओर से समय पर जवाब पेश न करने के चलते पैदा हुई असहज स्थिति के बाद की गई है। संभागीय आयुष अधिकारी अर्चना मरावी ने इस निलंबन आदेश की पुष्टि की है।

सरकारी नियमों के मुताबिक निर्धारित समयसीमा के भीतर कोर्ट में पक्ष रखना अनिवार्य था, लेकिन जिला अधिकारी के स्तर पर हुई इस भारी चूक ने विभाग की छवि को दांव पर लगा दिया। उच्च प्रबंधन ने इसे कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही माना और जवाबदेही तय करते हुए यह कड़ा कदम उठाया। इस निलंबन के बाद विभाग ने डॉ सुरतना सिंह चौहान को संभागीय मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है, जहां उन्हें जांच प्रक्रिया पूरी होने तक नियमित रूप से उपस्थित रहना होगा। इस पूरी कार्रवाई से विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है और इसे अन्य लोक सेवकों के लिए सख्त चेतावनी माना जा रहा है।

समयसीमा के बाद भी जवाब दाखिल न होने से बढ़ा विवाद

यह पूरा मामला कोर्ट में चल रहे एक संवेदनशील प्रकरण से जुड़ा हुआ है। नियमों के तहत शासकीय विभागों को अदालत द्वारा तय की गई तारीख के भीतर अपना आधिकारिक प्रतिउत्तर या

जवाब प्रस्तुत करना होता है। इस मामले में भी आयुष विभाग को निश्चित समयसीमा के अंदर अपना पक्ष रखना था, लेकिन बार-बार ध्यान दिलाए जाने के बावजूद समय पर जवाब दाखिल नहीं किया गया। जब यह गंभीर मामला भोपाल स्थित आयुष विभाग के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया, तो उन्होंने पूरे घटनाक्रम की बारीकी से समीक्षा की। समीक्षा में पाया गया कि जिला स्तर पर प्रबंधन की ढिलाई के कारण ही कोर्ट में सही समय पर दस्तावेज नहीं पहुंच सके। अदालत में सरकार का पक्ष समय पर न आने से विभाग की साख को ठेस पहुंची, जिसके बाद उच्च अधिकारियों ने बिना किसी देरी के निलंबन का आदेश जारी कर दिया।

निलंबन की इस त्वरित कार्रवाई के बाद पूरे आयुष विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। संभागीय आयुष अधिकारी अर्चना मरावी द्वारा मामले की पुष्टि किए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि आने वाले दिनों में आरोपी अधिकारी के खिलाफ विभागीय स्तर पर एक विस्तृत जांच कमेटी भी बैठाई जा सकती है। इस सख्त कदम के जरिए प्रदेश स्तर पर सभी जिला प्रभारियों को यह साफ संदेश दे दिया गया है कि अदालती प्रक्रियाओं और वैधानिक कार्यों में किसी भी तरह की सुस्ती या लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस बड़ी कार्रवाई के बाद अब विभाग के भीतर अदालती मामलों की निगरानी के लिए एक नया और अधिक कड़ा सिस्टम लागू किया जा सकता है, जिससे भविष्य में ऐसी अप्रिय स्थितियों से बचा जा सके।

दोहरे कार्यभार से प्रशासनिक संतुलन बिगड़ा

सस्पेंड की गईं डॉ सुरतना सिंह चौहान के पास केवल जबलपुर जिले का ही कार्यभार नहीं था, बल्कि वे पड़ोसी जिले नरसिंहपुर के जिला आयुष अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रही थीं। 2 महत्वपूर्ण जिलों की दोहरी प्रशासनिक जिम्मेदारी होने के कारण उनके ऊपर काम का दबाव काफी अधिक था। इस बड़ी कार्रवाई के बाद अब प्रशासनिक हल्कों में इस बात को लेकर आत्ममंथन शुरू हो गया है कि क्या अतिरिक्त जिम्मेदारी की वजह से यह बड़ी चूक हुई या फिर यह पूरी तरह से व्यक्तिगत प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा थी।